गोरा लिंग लेने की लालसा-2

“अजय के गोरे, सख्त लिंग पर अनायास नज़र पड़ी तो मेरा मन उसे लेने को बेचैन हो उठा और अजय के बिस्तर पर जा उस सुन्दर लिंग को सहलाने लगी। अजय ने मेरी लालसा समझ ली और मेरी योनि को उस मोटे लिंग से मसल दिया… …”

Story By: (tpl)
Posted: शुक्रवार, मई 1st, 2015
Categories: पड़ोसी
Online version: गोरा लिंग लेने की लालसा-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गोरा लिंग लेने की लालसा-2

लेखिका- रुचिका
सम्पादिका- टी पी एल

कहानी का पिछला भाग : गोरा लिंग लेने की लालसा-1

अजय की पीठ मेरी ओर थी और मैं उससे चिपक कर लेटे हुए उसके सीने को अपने हाथों से सहलाने लगी और अपनी जांघें तथा टांगों को उसकी जाँघों एवं टांगों के साथ रगड़ने लगी।
मेरी इस हरकत से अजय की नींद खुल गई और वह करवट बदला कर सीधा हो गया ओर अपना सिर ऊँचा करके अचंभित हो कर मेरी ओर देखने लगा।
अजय के सीधा होते ही मैंने अपने हाथ को उसके सीने सा हटा कर उसकी जाँघों पर ले गई और उसके लिंग तथा उसके अंडकोष को सहलाने लगी।
अजय ने 'नहीं, बिल्कुल नहीं…' कहते हुए मेरा हाथ को पकड़ कर हटाने की कोशिश की। लेकिन असफल रहा क्योंकि मैंने उसके लिंग को कस कर पकड़ लिया था और उसके होंठों पर अपने होंठ रख दिए थे।

कहते हैं कि जब भी कोई स्त्री अपनी वासना की आग में जलते हुए शरीर की गर्मी से किसी भी पुरुष को अवगत कराती है तब वह पुरुष मोम की तरह पिघल जाता है।
अजय के साथ भी वही हुआ क्योंकि मेरे चुम्बनों की मिठास, शरीर की गर्मी और उसके लिंग एवं अंडकोष को सहलाने के कारण उसका लिंग तन कर एक लोहे की छड़ की तरह सख्त हो गया था।

शीघ्र ही अजय पर भी वासना का भूत सवार हो गया और वह मेरी हर गतिविधि में सम्पूर्ण

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सहयोग देने लगा तथा मेरे गुप्तांगों को सहलाने तथा मसलने में लीन हो गया।
दस मिनट के बाद जब मैंने देखा की अजय की ओर से पूर्ण सम्मति मिल गई है तब मैंने उसके पजामे और अंडरवियर के अन्दर हाथ डाल कर उसके लिंग को पकड़ कर हिलाने लगी।
तब अजय ने बहुत धीमे स्वर में मेरे कान में कहा- ऐसे करने से ना तो तुम्हें और ना ही मुझे कोई आनन्द आ रहा है। क्यों नहीं हम सभी कपड़े उतार कर करें ?

अजय की बात सुन कर मेरे दिल की धड़कन अकस्मात् ही बढ़ गई लेकिन अपने को संयम में रखते हुए मैंने उसे कहा- अजय, अंकुश पास में सोया हुआ है इसलिए मैं सभी कपड़े नहीं उतार सकती। मैंने नाइटी के नीचे सिर्फ पैंटी ही पहनी हुई है, उसे तुम उतार दो और नाइटी को ऊँची कर लो।
अजय मेरी बात सुन कर बोला- ठीक है, इससे पहले की मैं तुम्हारी पैंटी उतारूँ तुम पहले मेरे सभी कपड़े उतार दो।
यह सुन कर मैं अजय से अलग हुई और पहले उसके पजामे का नाड़ा खोल कर उसकी टांगों से निकाल दिया और फिर उसके अंडरवियर को नीचे सरकाते हुए उसकी टांगों से अलग कर दिया।

अजय के शरीर के नीचे के भाग के नग्न होते ही मैं उसके गोरे एवं लोहे के छड़ जैसे सख्त लिंग पर टूट पड़ी और उसे चूमते हुए अपने मुँह में भर लिया।
मुझे लिंग से खेलता देख कर अजय ने अपना कुरता उतार दिया और मेरी टांगों को अपनी ओर खींच कर मेरी नाइटी को ऊँचा करके मेरी पैंटी को खींच कर उतार दिया।

उसके बाद अजय ने मेरी दोनों टाँगें चौड़ी करी और मेरी जाँघों के बीच में अपना मुँह डाल कर मेरी योनि को चाटने लगा।

अगले पन्द्रह मिनट तक हम दोनों उस 69 की अवस्था में एक दूसरे के गुप्तांगों को चूसते

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

एवं चाटते रहे और एक दूसरे की कामाग्नि को भड़काते रहे।
उन पन्द्रह मिनट में मेरी योनि में से एक बार रस स्खलित हुआ था जिसे अजय ने बहुत ही चाव से चाट लिया लेकिन उसके लिंग में से मुझे सिर्फ पूर्व रस की कुछ बूँदें ही पीने के लिए मिली।

क्योंकि मुझे विनय के डेढ़ इंच मोटे लिंग को ही मुँह में लेने की आदत थी इसलिए अजय के ढाई इंच मोटे लिंग को मुँह में लेने में मुझे कुछ दिक्कत आई और उन पन्द्रह मिनटों में तो मेरा मुँह का जबड़ा ही अकड़ गया।

तब मैंने उसे मुँह से निकालते हुए अजय से पूछा- तुम्हारा लिंग तो काफी मोटा है। तुमने यह इतना मोटा कैसे किया?
मेरे प्रश्न के उत्तर में अजय बोला- मैं जब छत्तीसगढ़ के जंगली इलाके में ड्यूटी पर था तब मैंने इससे वहाँ की आदिवासी लड़कियों की बहुत सेवा की और एवज में मैंने उनसे इसकी बहुत मालिश भी करवाई थी।

मैंने फिर प्रश्न किया- तो यह मालिश करवाने से पहले कितना मोटा था? क्या मालिश करवाने से इसकी लम्बाई भी बढ़ी गई थी?
अजय ने कहा- नहीं, मालिश करवाने से इसकी लम्बाई में कोई ख़ास अंतर नहीं आया था और यह सात इंच का सात इंच ही रहा। लेकिन इसकी मोटाई डेढ़ इंच से बढ़ कर ढाई इंच हो गई थी।

तभी मेरी योनि में एक बार फिर गुदगुदी और हलचल होने लगी तब मैंने अजय के मुँह को योनि से दूर करते हुए उसे सीधा किया और उसके ऊपर चढ़ कर बैठ गई।
फिर मैं थोड़ा ऊँची होकर अजय के लिंग को अपनी योनि के द्वार पर लगा कर जैसे ही नीचे बैठने के लिया दबाव डाला तो लिंग अन्दर जाने के बजाये बाहर की ओर फिसल गया।
मैंने तब अजय की ओर बड़ी आशा भरी नजरों से देखा तो उसने तुरंत अपने लिंग को पकड़

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कर स्थिर कर दिया और मुझे बैठने का संकेत दिया।

उसका संकेत मिलते ही मैं एक झटके के साथ नीचे बैठी जिससे लिंग-मुण्ड सहित उसका आधा लिंग मेरी योनि को चीरता हुआ अन्दर घुस गया।

अत्यंत दर्द के कारण मेरी चीख निकल गई जिसे अजय ने मेरे मुँह पर अपना हाथ रख कर मेरे गले में ही दबा दी।

मेरा शरीर कांपने लगा और मेरी आँखों में आँसू आ गए तथा मैं अपने सिर को हिलाते हुए उस दर्द को सहने का प्रयास करती रही।
अभी तक विनय के डेढ़ इंच मोटे लिंग की ही अभ्यस्त योनि के अंदर जब अजय का ढाई इंच मोटे लिंग जबरदस्ती प्रवेश हुआ तब उसके अंदर की सभी माँस पेशियाँ के खिचते ही दर्द की लहरें उठने लगी थी।

मेरी वेदना को समझते हुए तब अजय ने अपने आधे लिंग को मेरी योनि के अंदर ही फंसे रहने दिया और मुझे खींच कर अपने ऊपर लिटा लिया तथा मेरे स्तनों की चुचूकों को अपने मुँह में लेकर चूसने लगा।

उसके द्वारा मेरी चुचूकों को चूसने से मेरी योनि के अंदर की मांस पेशियों में हलचल हुई जिससे नसों में आये तनाव से राहत मिली और जल्द ही दर्द भी समाप्त हो गया।

तब मैं अजय का चुम्बन लेते हुए उठी और थोड़ा सा ऊँचा हो कर एक झटके के साथ उसके लिंग पर बैठ गई तथा उसे जड़ तक अपनी योनि में समेट लिया।
एक बार फिर मुझे बहुत ही तीव्र दर्द हुई और अपने पर बहुत संयम रखने के बावजूद भी मेरे मुँह से एक चीख निकल ही गई।
मैंने और अजय ने गर्दन घुमा कर अंकुश की ओर देखा और उसे गहरी नींद में सोया देख

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कर दोनों ने चैन की सांस ली और मैं भी दर्द के मारे एक बार फिर अजय के ऊपर लेट गई।

इस बार अजय मेरे होंठों को चूमता रहा और मेरे दोनों स्तनों को चुचुकों को अपने हाथों के अंगूठे और उँगलियों के बीच में लेकर मसलता रहा।
उसके ऐसा करने से मुझे एक बार दर्द से जल्द राहत मिल गई और तब मैं अपनी योनि में फसे अजय के लिंग में हो रहे स्पंदन को महसूस करने लगी थी।
अजय के लिंग में हो रहे स्पंदन और मेरी योनि में हो रही सिकुड़न से मिल रहे आनन्द के कारण हम दोनों की उत्तेजना में बहुत वृद्धि हो गई और तब अजय नीचे से धक्के लगाने लगा।

मैं उसके धक्कों के संकेत को समझ गई और तुरंत ही उछल उछल कर अजय के लिंग को अपनी योनि के अन्दर बाहर करने लगी।
दस मिनट उछलने के बाद मेरी योनि में एकदम से सिकुडन हुई और मेरा शरीर ऐंठने लगा, मेरी टांगों में कंपकंपी होने लगी तथा मेरे मुँह से सिसकारियाँ निकलने लगी थी।

मेरी योनि में अजय का लिंग ऐसे फंसा हुआ था जैसे वह उसी का ही अभिन्न अंग था और उसने मेरी योनि के अन्दर के खालीपन को बिल्कुल गायब कर दिया था।
उस हालत में मैंने उछालना बंद करके अजय के पूरे लिंग को अपनी योनि में समेटे हुए उसके शरीर के उपर ही लेट गई तथा अपनी योनि के अन्दर होने वाली खिंचावट से उसके लिंग का मर्दन करने लगी।

लगभग पांच मिनट के बाद जब मैं सामान्य हुई तब फिर से मैंने उछल उछल कर अजय के तने हुए और रोड की तरह सख्त लिंग को अपनी योनि के अन्दर बाहर करने लगी।
दस मिनट के बाद एक बार फिर मुझे योनि के अंदर खिंचावट और टांगों में थकावट महसूस हुई तब मैंने रुक कर अजय को मेरे ऊपर आने को कहा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरे कहते ही अजय ने मुझे अपने सीने के साथ चिपका लिया और मेरे नितम्बों को हाथों से पकड कर लिंग को योनि के अंदर ही रखते हुए उसने मुझे एक फूल की तरह उठा कर खड़ा हो गया।
फिर उसने खड़े खड़े ही अपने हाथों से मुझे उपर नीचे करके अपने लिंग को मेरी योनि के अंदर बाहर करने लगा।
पांच मिनट के बाद उसने मेरे होंठों पर अपने होंठ रख कर चूमने लगा और मुझे बिस्तर पर लिटा कर मेरे उपर लेट कर तीव्र गति से सम्भोग करने लगा।
मैंने भी चुम्बन में उसके होंठों एवं जीभ को चूस कर उसका साथ दिया तथा सम्भोग में नीचे से अपने कूल्हे उठा कर उसके हर धक्के का उपयुक्त उत्तर दिया।
दस मिनट के इस तीव्र गति के संसर्ग में हम दोनों पसीने से नहा गए और दोनों के सांसे उखड़ने लगी थी तभी अजय बोला- रुचि मेरा वीर्य-रस संखलन होने वाला है, बोलो कहाँ पर स्खलित करूँ। तुम्हारी योनि के अंदर ही करूं या फिर बाहर ?

उसकी बात सुन कर मैं बहुत ही रोमांचित हो उठी थी जिसके कारण मेरी उत्तेजना चरमसीमा की ओर अग्रसर होने लगी थी और मैं वह आनन्द और संतुष्टि से वंचित नहीं रहना चाहती थी।
मैंने अजय का साथ देते हुए कहा- मैं भी स्खलित होने वाली हूँ इसलिए तुम रुको मत और इसी तीव्रता से संसर्ग करते हुए मेरे साथ ही मेरी योनि में ही अपना वीर्य-रस स्खलित कर दो।

इसके बाद हम दोनों एक दूसरे से चिपके हुए तेजी से हिलने लगे और देखते ही देखते दोनों के शरीर अकड़ गए, अजय का लिंग फूलने लगा और मेरी योनि सिकुड़ने लगी तथा हम दोनों के मुख से सिसकारियाँ और हुंकार निकलने लगी थी।

तभी मेरी योनि का जवालामुखी फूटा जिससे उसके अन्दर आग लग गई थी और उस आग

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

को शांत करने के लिए अजय के लिंग में से पिचकारी भी छूट पड़ी थी।
मेरी योनि के अंदर इस गतिविधि के कारण हम दोनों को जो आनन्द एवम् संतुष्टि मिली उसका विवरण लिख कर व्यक्त नहीं किया जा सकता, वह तो सिर्फ महसूस ही किया जा सकता था।

अगले पन्द्रह मिनट तक हम दोनों पसीने में नहाये हुए और उखड़ी सांसों को नियंत्रण करने की कोशिश में एक दूसरे के ऊपर निढाल हो कर पड़े रहे।
ऐसा लग रहा था कि हम दोनों किसी और ही दुनिया में पहुँच गए थे जहाँ सिर्फ आनन्द और संतुष्टि का ही वास रहता है।
जब पंखे की हवा से पसीना तेज़ी से सूखने लगा और हमारी सांसें भी सामान्य हो गई तब अजय ने अपने लिंग को मेरी योनि में से निकाला और मेरे ऊपर से लुढ़क कर मेरी बगल में लेट गया।

उसके आधे घंटे के बाद हम दोनों ने उठ कर बाथरूम में जाकर अपने अपने गुप्तांगों के साफ़ किया और कपड़े पहन कर अपने अपने बिस्तर पर सो गए।
सुबह हॉस्पिटल से रिपोर्ट लेने पर पता चला की अंकुश के सभी परीक्षण परिणाम सामान्य है और उसके स्वास्थ में कोई भी समस्या नहीं है और वह एक तंदरुस्त बालक की तरह अपना जीवन व्यतीत कर सकता है।

यह खुशखबरी सुन कर मन को बहुत राहत मिली और हम वापिस बोकारो की ओर चल पड़े।
रास्ते में मैंने अजय को कहा- इस मुश्किल के समय में तुमने मेरा साथ दिया और इतने कष्ट उठाए, इसके लिए मैं तुम्हारी बहुत आभारी हूँ। मैं तुम्हारा धन्यवाद कसे करूँ और यह कर्ज कैसे चुका पाऊँगी ?

तो अजय ने उत्तर दिया- अरे, धन्यवाद तो तुमने रात को ही दे दिया था लेकिन जहाँ तक

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कर्ज चुकाने की बात है वह तुम किश्तों में उतार देना।

अजय की बात सुन कर मैंने उससे थोड़ा भ्रमित होते हुए पूछा- किश्त !!! कर्ज़ की किश्त ? किश्त को कैसे चुकाना होगा तथा इसमें कितना देना होगा और कब तक ?
मेरी सूरत और जिज्ञासा को देखते हुए अजय ने हँसते हुए कहा- अरे, घबराने की कोई बात नहीं। मैंने कुछ अधिक बड़ी मांग नहीं रखी है।
मैंने व्याकुल होते हुए उससे पूछा- पहेलियाँ क्यों बुझा रहे हो। अब साफ़ और सीधी तरह से बता दो।

तब अजय ने साफ़ और सीधा कह दिया- मैं चाहता हूँ कि तुम मुझे कल रात जैसा धन्यवाद हर सप्ताह कम से कम एक बार तो दे दिया करना।
उसकी बात सुन कर मैं थोड़ा हैरान हो गई क्योंकि मैंने उससे ऐसे उत्तर की आशा नहीं करी थी लेकिन मन ही मन खुश भी हुई कि वह मुझे और भी अधिक आनन्द एवं संतुष्टि देना चाहता है।
जब मैंने शरमाते हुए चुप हो गई और कोई प्रतिक्रिया नहीं दी तब अजय ने कहा- लगता है कि तुमने मेरे मज़ाक को गंभीरता से ले लिया है। मैं तो मज़ाक में यह सब कह दिया था और मुझे कुछ नहीं चाहिए।

उसके बाद हमने दोनों ने आगे कोई बात नहीं करी और चुपचाप यात्रा करते रहे तथा शाम तक अपने घर पहुँच गए।
हमें घर पर छोड़ कर जब अजय अपने घर जाने लगा तब मैंने उसे चाय के लिए रोक लिया कहा- तुम बैठो और चाय पी कर ही जाना और तरोताज़ा हो कर रात के खाने के समय यहीं आ जाना, सब मिल बैठ कर ही खाना खायेंगे।
अजय ने पहले तो नहीं कह दिया, लेकिन फिर मेरे दबाव डालने पर मान गया और दोनों ने साथ बैठ कर चाय पी और इसके बाद वह रात को नौ बजे आने के लिए कह कर अपने घर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चला गया।

अजय के जाते ही मैं रसोई में जुट गई और आठ बजे तक रात के लिए उसकी पसंद का खाना बना कर ही बाहर निकली।

उस रात मैंने अजय अपने घर नहीं जाने दिया क्योंकि मैंने उसे धन्यवाद कर्ज़ की पहली किश्त भेंट करने के लिए रोक लिया था।

उसके बाद अब तक मैंने अजय को धन्यवाद कर्ज़ की लगभग सौ किश्तें दे चुकी हूँ और उन हर एक किश्त के बदले अजय में मुझे भपूर आनन्द एवं संतुष्टि प्रदान करी है।

मैं अन्तर्वासना की लेखिका टी पी एल का अपने ह्रदय से धन्यवाद करती हूँ जिन्होंने अपने व्यस्त समय में से कुछ समय निकल कर मेरी इस रचना को सम्पादित करके अन्तर्वासना पर प्रकाशित होने के लिए अग्रसर किया।

******

अन्तर्वासना के पाठकों, मुझे आशा है रुचिका द्वारा उसके जीवन में घटित घटना पर आधारित इस रचना आप सभी को बहुत पसंद आई होगी।

इस रचना को पढ़ने के लिए अपना मूल्यवान समय देने के लिए आपका बहुत धन्यवाद।

tpl@mail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Indian Sex Stories

www.indiansexstories.net **Average traffic per day:** 446 000 GA sessions **Site language:** English and Desi **Site type:** Story **Target country:** India The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories.

Indian Porn Videos

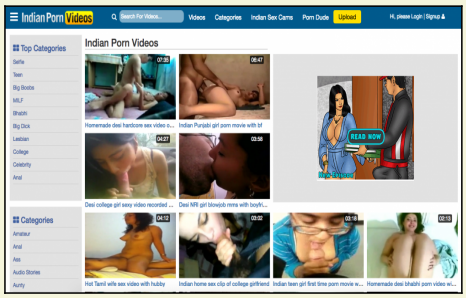

URL: www.indianpornvideos.com **Average traffic per day:** 600 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India Indian porn videos is India's biggest porn video site.

Kambi Malayalam Kathakal

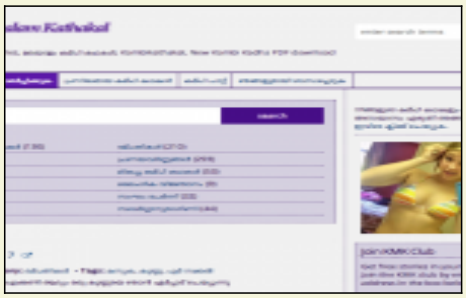

URL: www.kambimalayalamkathakal.com **Average traffic per day:** 31 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Stories **Target country:** India Daily updated hot erotic Malayalam stories.

Malayalam Sex Stories

URL: www.malayalamsexstories.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Story **Target country:** India The best collection of Malayalam sex stories.

Aflam Neek

URL: www.aflamneek.com **Average traffic per day:** 450 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Video **Target country:** Arab countries Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site in intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

Antarvasna Indian Sex Photos

URL: antarvasnaphotos.com **Average traffic per day:** 42 000 GA sessions **Site language:** Hinglish **Site type:** Photo **Target country:** India Free Indian sex photos, sexy bhabhi, horny aunty, nude girls in hot Antarvasna sex pics.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire